IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, August 2023

महिलाओं के शिक्षा संबन्धित क्षेत्र एवं उसका प्रभाव

देवी राम[1] and डॉ. अमीत कुमार[2]
शोधार्थी, समाजशास्त्र विभाग[1]
एसोसिएट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग[2]
ओ.पी.जे.एस. विश्वविद्यालय, राजस्थान

शोध सारांश

स्त्री शिक्षा 'स्त्री और शिक्षा' को अनिवार्य रूप से जोड़ने वाली अवधारणा है। इसका एक रूप शिक्षा में स्त्रियों को पुरुषों की ही तरह शामिल करने से सम्बन्धित है। दूसरे रूप में यह स्त्रियों के लिए बनाई गई विशेष शिक्षा पद्धति को सन्दर्भित करता है। भारत में मध्य और पुनर्जागरण काल के दौरान स्त्रियों को पुरुषों से अलग तरह की शिक्षा देने की धारणा विकसित हुई थी। वर्तमान दौर में यह बात सर्वमान्य है कि स्त्री को भी उतना शिक्षित होना चाहिये जितना कि पुरुष हो। यह सिद्ध सत्य है कि यदि माता शिक्षित न होगी तो देश की सन्तानो का कदापि कल्याण नहीं हो सकता। शिक्षा सामाजिक सशक्तिकरण के लिए प्रथम एवं मूलभूत साधन है। यह माना जाता है कि शिक्षा ही वह उपकरण है जिससे महिला समाज में अपनी सशक्त, समान व उपयोगी भूमिका की अनुभूति करा सकती है। शिक्षा के आधार पर महिला में दक्षता, कौशल, ज्ञान एवं क्षमताओं का विकास होता है। शिक्षित महिला न केवल स्वयं लाभान्वित होती है, वरन उससे भावी पीढ़ी भी लाभान्वित होनी चाहिए। जिसके आधार पर भविष्य में हर स्त्री शिक्षा से परिपूर्ण हो। शिक्षा किसी भी प्रकार के कौशल की प्राप्ति एवं विवेकपूर्ण दृष्टिकोण के विकास के लिए पूर्णतया आवश्यक है। महिला की शिक्षा से उसका शोषण रोकने में सहायता मिलेगी। निर्णय लेने की क्षमता सशक्तिकरण का एक बड़ा मानक है। इन सारी बातों को ध्यान में रखते हुए यह शोध पत्र लिखा गया है। इस शोध पत्र के दौरान तुलनात्मक, विशलेसनात्मक, साक्षात्कार शोध प्रवधि को अपनाया जाएगा। शिक्षा का निर्णय लेने की क्षमता से धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध है। न्यून शैक्षिक स्तर का सीधा प्रभाव है इस मानव पूँजी (महिला) का निम्न स्तरीय विकास, कुशलता का निम्न स्तर तथा श्रम बाजार में न्यून भागीदारी महिलाओं की वास्तविक स्थिति से व्यक्ति, परिवार, समाज एवं राष्ट्र की सामाजिक, आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है।"

शब्द कुंजी- स्त्री शिक्षा, सामाजिक सशक्तिकरण, स्तरीय विकास, कुशलता इत्यादि।

संदर्भ-ग्रंथ-

1. रावत, प्यारे लाल (1975) प्राचीन और भारतीय शिक्षा का इतिहास, आगरा: भारत पब्लिकेशन्स
2. गुप्ता, एस०पी० तथा अल्का गुप्ता, (2008)- भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्यायें इलाहाबाद, शारदा पुस्तक भवन ।
3. अग्निहोत्री रविन्द्र (2006)- आधुनिक भारतीय शिक्षा की समस्याएँ और समाधान, जयपुर: राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
4. प्रोग्राम ऑफ एक्शन: नेशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशन, 1986
5. योजना, जनवरी 2016 अंक, लोधी रोड, नई दिल्ली।
6. कपिल डॉ. एच. के 1992 93 अनुसंधान विधियाँ आगरा भार्गव बुक हाऊस सप्तम संस्करण पृष्ठ संख्या 33
7. 1986 शिक्षा तथा राष्ट्रीय विकास नई दिल्ली पष्ठ संख्या 32.38
8. मित्तल एम. एल (2005) उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षा इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाऊस, मेरठ, पृष्ठ संख्या- 22
9. साक्षरता मिशन - 1989 प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय, भारत सरकार पृष्ठ संख्या 32,38
10. छत्तीसगढ़ राज्य साक्षरता मिशन -2001 पृष्ठ संख्या - 3.13
11. जिला साक्षरता समिति दुर्ग - 2001 पृष्ठ संख्या - 2.12.23.
12. देवपुरा प्रतापभल, महिला सशक्तिकरण में शिक्षा का महत्व' कुरुक्षेत्र अंक 5 मार्च 2006
13. मकोल नीलम, शर्मा संदीप, सामाजिक विकास में शिक्षित महिलाओं का योगदान, कुरूक्षेत्र सितम्बर 2006
14. लवानिया, एम.एम. (1989), "समाज शास्त्रीय अनुसंधान का तर्क एवं विधियाँ, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर।
15. अंसारी, एम.ए. (2001). "महिला और मानवाधिकार", ज्योति प्रकाशन, जयपुर

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 2, August 2023

16. कुमार, डा० अशोक, डा० हरीश :वूमेन पावर, स्टेटस ऑफ वूमेन इन इण्डिया, ज्ञान पब्लिकेशन हाउस, 1991
17. पारेख, आई एंड पी0 गर्ग : इण्डियन वीमैन एन इनर डायलॉग, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, 1999